INDEX

Un-Starred Assembly Question Diary No. 14/18/252 (Question No. 19)

Sr. No.	Particulars	Page No.
1.	Reply of Un-starred Assembly Question No. 14/18/252 (in English)	1
2.	Reply of Un-starred Assembly Question No. 14/18/252 (in Hindi)	2

Sub: **Un-starred Assembly Question no. 14/18/252- The Number of Electronic Manufacturing Clusters**

14/18/252. **SH. VARUN CHAUDHRY, M.L.A:** Will the Deputy Chief Minister be pleased to state the district wise and year wise number of electronic manufacturing clusters, I.T. Parks, incubation centers, mega recycling plants, flatted factories, labour housing colonies established in the State during the last five years?

Reply:

Dushyant Chautala, Deputy Chief Minister, Haryana

Sir, HSIIDC is developing an Electronic Manufacturing Cluster at IMT Sohna, district Nuh, over an area of 500 acres under EMC 2.0 scheme of Ministry of Electronics & Information Technology (MeitY), Government of India, with a grant of Rs 331 crore from MeitY and Rs 30 crore from State Government. Further, a total of Seven (07) universities across Haryana have been funded by the department of Industries and Commerce to establish incubation centers in their respective universities: -

1. J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
2. Guru Jambheshwar University (GJU) of Science and Technology, Hisar
3. Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology, Murthal
4. Maharshi Dayanand University (MDU), Rohtak
5. Kurukshetra University, Kurukshetra
6. Chaudhary Bansi Lal University (CBLU), Bhiwani
7. Pandit (Dada) Lakhmi Chand State Performing University of Visual Arts, Rohtak

Six out of the above Seven Universities have established & operationalized their incubation centers. Only one university i.e. Pandit (Dada) Lakhmi Chand State University of Performing and Visual Arts, Rohtak is in the process of establishing its Incubation Centre. In addition, two other Incubators under the ambit of the Industries & Commerce Department viz Start-up Warehouse and Centre of Excellence for Internet of Things (CoE-IoT) have been successfully established and operational at Hartron Campus, Gurugram

A State of Art Mega Recycling Plant (Shredding and Compressing of Steel Scrap) has been established at IMT, Rohtak with an Investment of INR 150 Crore spread out in an area of approximate 10 acres with a recycling capacity of 500000 MT per annum. The plant has undergone into commercial production on 01.08.2021.

Further, no IT Park, flatted factories, labour housing colonies have been established by HSIIDC in the State during the last five years.

******

अतारांकित विधानसभा प्रश्न संख्या 14 /18 /252. इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग क्लस्टरों की संख्या

14 /18 /252 श्री वरुण चौधरी(मुलाना), एमएलए

क्या उप मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग क्लस्टरों, आईटी पार्कों, इनक्यूबेशन सेंटरों, मेगा रीसाइक्लिंग प्लांटों, फ्लेटेड फैक्ट्रियों, श्रमिक आवास कॉलोनियों की जिलेवार और वर्षवार संख्या क्या है ?

उत्तरः दुष्यंत चौटाला, उपमुख्यमंत्री, हरियाणा

महोदय, एचएसआईआईडीसी, आईएमटी सोहना, जिला नूंह, में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) भारत सरकार, की EMC 2.0 योजना के तहत 500 एकड़ के क्षेत्र में, एमईआईटीवाई से 331 करोड़ रुपये और राज्य सरकार से 30 करोड़ रुपये के अनुदान के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर विकसित कर रहा है । इसके अलावा, हरियाणा भर में कुल सात (07) विश्वविद्यालयों को उद्योग और वाणिज्य विभाग द्वारा अपने संबंधित विश्वविद्यालयों में इनक्यूबेशन केंद्र स्थापित करने के लिए वित्त पोषित किया गया हैः -

1. जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद
2. गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) विज्ञान और प्रौद्योगिकी, हिसार
3. दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक
5. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
6. चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी
7. पंडित (दादा) लखमी चंद स्टेट परफॉर्मिंग यूनिवर्सिटी ऑफ विजुअल आर्ट्स, रोहतक

उपर्युक्त सात विश्वविद्यालयों में से 6 ने अपने इनक्यूबेशन केन्द्रों की स्थापना एवं प्रचालन शुरू कर दिया है। केवल एक विश्वविद्यालय पंडित (दादा) लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स, रोहतक अपना इनक्यूबेशन केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है । इसके अलावा, उद्योग और वाणिज्य विभाग के दायरे में दो अन्य इनक्यूबेटर अर्थात स्टार्ट-अप वेयरहाउस और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इंटरनेट ऑफ थिंग्स (सीओई-आईओटी) को हारट्रोन कैंपस, गुरुग्राम में सफलतापूर्वक स्थापित और चालू किया गया है।

आईएमटी, रोहतक में 500000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष की रीसाइक्लिंग क्षमता के साथ लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में 150 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक अत्याधुनिक मेगा रीसाइक्लिंग प्लांट (स्टील स्क्रैप का श्रेडिंग और कंप्रेसिंग) स्थापित किया गया है। संयंत्र का व्यावसायिक उत्पादन 01.08.2021 को शुरू हो गया है ।

इसके अलावा, पिछले पांच वर्षों के दौरान एचएसआईआईडीसी द्वारा राज्य में कोई आईटी पार्क, फ्लेटेड फैक्ट्रियां, श्रमिक आवास कालोनियां स्थापित नहीं की गई हैं।